BANC 113: फोरेंसिक मानवविज्ञान

अनुशिक्षक चिंहित सत्रीय–कार्य (TMA)

कोर्स कोड: BANC 113

असाइनमेंट कोड: BANC 113/ASST/TMA/जुलाई 2026– जनवरी 2027

कुल अंक: 100

तीन सत्रीय कार्य हैं। तीनों सत्रीय कार्य के सभी प्रश्नों के उत्तर दें।

सत्रीय कार्य – I

नीचे दिए गए प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर लगभग 500 शब्दों में दें। 20x2=20

क. फोरेंसिक मानवविज्ञान का दूसरे विषयों के साथ संबंध संक्षेप में बताएं।

ख. सर्जिकल आर्टिफैक्ट्स (शल्य–चिकित्सा संबंधी अवशेषों) के बारे में संक्षेप में बताएं।

ग. फोरेंसिक ओडोंटोलॉजी (न्यायिक दंत–विज्ञान) को परिभाषित करें? आपदा पीड़ितों की पहचान में दांतों की भूमिका समझाएं।

सत्रीय कार्य – II

नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लगभग 250 शब्दों में दें। 10x2=20

क. वंश का पता लगाना

ख. DNA के स्रोतों के बारे में बताएं?

1. नीचे दिए गए प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर लगभग 150 शब्दों में दें। 5x2=10

क. टैटू के निशान और पहचान के अन्य निशान।

ख. नाखून

ग. खून के धब्बों के प्रकार

सत्रीय कार्य – III

नीचे दिए गए सवालों के जवाब लगभग 250 शब्दों में दें। 10x3=30

क. कुछ सामान्य सोमैटोस्कोपिक (शरीर की बनावट संबंधी) अवलोकनों का वर्णन करें।

ख. फोरेंसिक मानवविज्ञान के संदर्भ में मूत्र (urine) के बारे में संक्षेप में बताएं।

ग. लिखावट की जांच का वर्णन करें।

क. फोरेंसिक मानवविज्ञान का दूसरे विषयों के साथ संबंध संक्षेप में बताएं।

उत्तर

फोरेंसिक मानवविज्ञान मानवविज्ञान की वह व्यावहारिक शाखा है जिसमें मनुष्य के शरीर, विशेष रूप से अस्थियों, दाँतों तथा अन्य जैविक अवशेषों का अध्ययन करके कानूनी जाँच में सहायता दी जाती है। जब किसी स्थान से अज्ञात कंकाल, जली हुई हड्डियाँ या बिखरे हुए मानव अवशेष मिलते हैं, तब फोरेंसिक मानवविज्ञानी उनकी पहचान और उनसे जुड़ी परिस्थितियों को समझने का प्रयास करता है। इस काम के लिए अकेले मानवविज्ञान का ज्ञान पर्याप्त नहीं होता। उसे चिकित्सा, जीवविज्ञान, पुरातत्त्व, रसायन विज्ञान तथा कानून जैसे अनेक विषयों के साथ मिलकर कार्य करना पड़ता है।

शरीररचना विज्ञान से संबंध

शरीररचना विज्ञान में शरीर के अंगों और उनकी बनावट का अध्ययन होता है। अस्थियों के नाम, जोड़, खोपड़ी की संरचना, श्रोणि और लंबी हड्डियों की विशेषताएँ फोरेंसिक पहचान का आधार बनती हैं। उदाहरण के लिए, वयस्क व्यक्ति की श्रोणि तथा खोपड़ी में दिखाई देने वाले कुछ लक्षण जैविक लिंग के आकलन में मदद कर सकते हैं। लंबी हड्डियों के माप से कद का अनुमान लगाया जा सकता है। ये केवल अनुमान होते हैं; व्यक्तियों और जनसमूहों के बीच प्राकृतिक भिन्नताओं को ध्यान में रखना आवश्यक है।

शारीरिक मानवविज्ञान और मानव अस्थिविज्ञान से संबंध

जैविक या शारीरिक मानवविज्ञान मनुष्य के विकास, विविधता और शारीरिक विशेषताओं का अध्ययन करता है। इसकी अस्थिविज्ञान संबंधी विधियों से मृत्यु के समय की संभावित आयु,